

SSC GD 2025

अक्सर गैच

Polity:

Class-09

→ राष्ट्रपति पर महाभियोग → राष्ट्रपति को पद से हटाने की प्रक्रिया
 Impeachment of the president → संविधान के विरुद्ध कार्य
 अनु. 61 के अनुसार राष्ट्रपति द्वारा संविधान का अतिक्रमण (Violation) किए जाने पर उसकी विरुद्ध महाभियोग (Impeachment) चलाया जा सकता है। Art 51 according to this, if the president violates the constitution impeachment can be initiated against him.

→ महाभियोग का प्रस्ताव (Motion of impeachment) → पेश (introduce) either House of Parliament संसद के किसी भी सदन द्वारा चलाई जाने वाली एक अर्द्ध-न्यायिक प्रक्रिया है। Impeachment is a quasi-judicial process conducted by parliament
 → USA से लिया गया है।

• महाभियोग का प्रस्ताव संसद के किसी भी सदन में प्रस्तुत किया जा सकता है। A motion of impeachment can be introduced in either House of Parliament.
 ① प्रस्ताव की सूचना (notice) राष्ट्रपति को 14 दिनों पूर्व देनी।
 ex - Motion → introduced in LS. → LS = 1/4 सदस्यों के हस्ताक्षर
 ② LS में पेश
 ③ चर्चा (Debate) LS में (MPs)
 ④ पारित (Pass) ⇒ 2/3 Majority | 2/3 बहुमत से
 RS → ① पेश (introduced) ③ Pass ⇒ 2/3 Majority
 ② चर्चा (Debate)

Rojar with Ankit

LS \Rightarrow 543 \Rightarrow $\frac{543 \times 50\% + 1}{2}$
उपस्थित और मतदान
Present & Voting $\times 2/3$

\rightarrow राष्ट्रपति पद की रिक्तता की पूर्ति
fulfill the vacancy of president

अनु. 62

पद रिक्त कब होगा? \Rightarrow भरने के लिए 6 माह अंदर - 2
निर्वाचन

- \rightarrow मृत्यु
- \rightarrow त्यागपत्र
- \rightarrow महाशयौग
- \rightarrow अन्य कारण

\Rightarrow कार्यवाहक राष्ट्रपति
Acting President \Rightarrow राष्ट्रपति का पद
रिक्त होने पर कार्यवाहक राष्ट्रपति
कार्य करता है।
कार्यकाल (Tenure)

\downarrow
6 months (6 माह)

\rightarrow कार्यवाहक राष्ट्रपति

\rightarrow उपराष्ट्रपति (Vice-president) \rightarrow ये पद भी रिक्त है।

\rightarrow उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश (Chief Justice of

\rightarrow " " " वरिष्ठ " (Most senior judge of
Supreme Court S. Court)

(33) \rightarrow other judges

\Rightarrow 1967 \Rightarrow राष्ट्रपति \Rightarrow डा० जाकिर हुसैन

\hookrightarrow 1967 - (1969) \rightarrow death मृत्यु

1969 \Rightarrow उपराष्ट्रपति \Rightarrow वी० बी० गिरी \rightarrow त्यागपत्र

\rightarrow Chief Justice of S. Court

\hookrightarrow 1969 \Rightarrow सभ. हिदायतुल्ला

\hookrightarrow कार्यवाहक राष्ट्रपति

Rojar with Ankit

यदि राष्ट्रपति का पद मृत्यु, त्यागपत्र, महाभ्रमण या किसी अन्य कारण से खाली हो जाए तो उसकी भरती के लिए चुनाव 6 माह के भीतर कराया जायेगा। If the post of president falls vacant due to death, resignation, impeachment or any other reason, then election will held within 6 months to fill it.

→ राष्ट्रपति के चुनाव संबंधी विवाद / उपराष्ट्रपति, अनुच्छेद-71 में कहा गया है कि राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के चुनाव संबंधी विवादों का विनिश्चय उच्चतम न्यायालय द्वारा किया जायेगा, तथा उसका निर्णय अंतिम होगा। Art. 71 states that disputes relating to the election of the president and vice-president shall be decided by the supreme court & its decision shall be final.

ex - (A) ⇒ राष्ट्रपति → supreme court
↳ 2 साल ⇒ अष्टाचार (निवचन)

⇒ यदि किसी राष्ट्रपति चुनावों में विवाद के कारण उच्चतम न्यायालय द्वारा हटाया जाता है तो उसके द्वारा किये गये कार्य वैध (valid) होंगे या अवैध (invalid).
Ans - Valid (वैध)

→ कार्यपालिका शक्तियाँ (Executive Power)

• अनु. - 53

• अनु. 77 के अनुसार भारत सरकार के समस्त कार्यपालकीय कृत्य राष्ट्रपति के नाम से किये जाते हैं।

According to Art. 77, all executive actions of the government of India are performed in the name of the president.

PM & COM ⇒ कार्य = नाम
↓
राष्ट्रपति

Rojar with Ankit

- वह भारत के प्रधानमंत्री सहित संघ के अन्य प्रमुख अधिकारियों की नियुक्ति करता है। He appoints the Prime Minister of India and other key officials of the union.

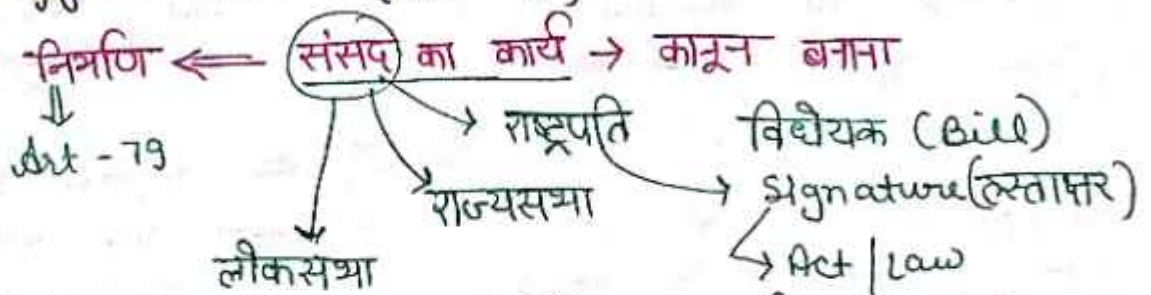
नियुक्तियाँ →

- ① PM
- ② COM
- ③ महान्यायवादी (Attorney General)
- ④ Governor (राज्यपाल)
- ⑤ Judges of Supreme Court or High Court
- ⑥ UPSC (Union Public Service Commission)
- ⑦ वित्त आयोग (अध्यक्ष + सदस्य)
- ⑧ मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्त etc.

→ विचारणीय शक्तियाँ (Legislative Power)

- संसद का गठन राष्ट्रपति, लोकसभा तथा राज्य सभा तीनों से मिलकर होता है * (अनु. - 79)

Parliament is formed by president, Lok Sabha and Rajya Sabha* (Art-79)



- राष्ट्रपति को संसद का अधिवेशन बुलाने तथा सत्रावसान की घोषणा करने का अधिकार है। The president has the power to summon the parliament and announce its propagation.

सत्र | अधिवेशन बुलाना |
→ बैठकें

सत्र का अंत
(End of Session)

Rojar with Ankit

राष्ट्रपति एक वर्ष में संसद की कम से कम दो बैठकें बुलाने के लिए बाध्य है। The president is bound to convene at least two meetings of the parliament in a year.

सत्र-3

बजट सत्र (Budget session) } कम से कम 2
मानसून सत्र (Monsoon ") }
शीतकालीन सत्र (winter ") } 1 वर्ष में (12 months)

↓ session ↓ 2nd सत्र
अधिकतम अंतराल (Maximum gap)
↓ 6 माह / Months

अनु. 85 - लोकसभा को उसके नियत अवधि के पूर्व अंग कर सकता है। Art. 85 - Lok Sabha can be dissolved before its fixed term.
राष्ट्रपति द्वारा अंग (प्रधानमंत्री की सलाह पर)

लोकसभा का कार्यकाल → 2 वर्ष बाद अंग | विघटन
Term of LS ⇒ 5 वर्ष Dissolved

अनु. 87 संसद के दोनों सदन की संयुक्त बैठक को संबोधित करता है। Art. 87 addresses the joint sitting of the 2 houses of the parliament.

अनु. 86 - संसद के किसी सदन को, लम्बित किसी विधेयक के संबंध में संदेश (Message) भेजने का अधिकार भी है। Article 86 - There's also the right to send a message to either House of Parliament regarding a pending bill

Rojar with Ankit

अनु० - 111

↓
राष्ट्रपति की तीनों शक्तियाँ
⇒ राष्ट्रपति इन तीनों शक्तियों का प्रयोग **विधेयक** पर सकते हैं। Bills

- 1) साधारण विधेयक (Ordinary Bill) ⇒ 3 veto powers का प्रयोग
- 2) धन विधेयक (Money bill) → Absolute veto, Pocket veto use
- 3) संविधान संशोधन विधेयक (Constitution Amendment Bill)
कोई तीनों power का प्रयोग नहीं।

- 1) आत्यंतिक वीटो (Absolute Veto) → जब राष्ट्रपति बिल पर हस्ताक्षर करने से मना कर दे।
- 2) निलम्बनकारी वीटो (Suspension Veto) → जब राष्ट्रपति बिल को पुनर्विचार के लिए LS ← RS को भेज दें।
- 3) जैबी वीटो (Pocket Veto) → जब राष्ट्रपति विधेयक को रखकर झूल जाते हैं।

Use ⇒ ↓ जामी जैल सिंह

← 1986 ⇒ अकधर संशोधन विधेयक (Post office Amendment bill)

लेकिन पुनर्विचार के पश्चात् बिल यदि राष्ट्रपति के पास वापस आता है तो वह हस्ताक्षर करने के लिए बाध्य है।

Rojar with Ankit

- Art. 123 => **अध्यादेश** (Ordinance) की तरफ (IT's like law of parliament)
- क्या होता है? => यह संसद के कानून
- कौन जारी? => राष्ट्रपति द्वारा जारी (issued by president)
- क्यों जारी? => जब संसद के दोनों सदन या दोनों में से एक सदन सत्र में न हों (कार्य न कर रहा है)
- अध्यादेश पर LS. or R.S. का **अनुमोदन (Approval)**
- सदनों के दोबारा कार्य करने के दिन
- ये 6 सप्ताह (6 weeks) के अंदर = 2
- ✓ → Act/Law
 - ✗ → समाप्त
- => अध्यादेश की अधिकतम अवधि (बिना अनुमोदन) => 6 months, 6 weeks
- 6 माह, सप्ताह